सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

अनमोल विचार

मेहनत का फल
और
समस्या का हल
देर से ही सही पर
मिलता जरूर है

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • EDITOR: ATUL SHARMA • 25 SEPTEMBER TO 1 OCTOBER 2019 • VOLUME-8 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • Mobile: 99881-15514 • email:atul_editor@jalandharbreeze.com

धीमी गति से चल रहा स्मार्ट सिटी प्रोजैक्ट लोगों के लिए बना सिरदर्दी

हर तस्वीर कुछ कहती है
बस उसके रंगों को बेपर्दा
कर समझने की जरूरत है....

■ जालंधर से नीरज की विशेष रिपोर्ट

केंन्द्र सरकार की योजना जिस में पूरे हिन्दोस्तान में से कुछ शहरों को स्मार्ट सिटी घोषित करने के लिये सर्वे करवाया गया था जिसमें जालंधर को सर्वे के प्रणाम के बाद स्मार्ट सिटी का दर्जा प्राप्त हुआ था जिस अनुसार केन्द्र द्वारा घोषित स्मार्ट शहरों के लिए अपने कोटे से विकास के लिए फंड भेजे गये जिसके उपयोग के लिए राज्य में मौजूदा सरकार द्वारा सीओई स्मार्ट सिटी के तहत अफसर भी नियुक्त किया गया परन्तु ऐसे लग रहा है कि केंन्द्र की इस योजना को जालंधर के अफसर सुचारू ढंग

केंन्द्र की योजनाओं को जालंधर के अफसर सुचारू ढंग से लागू करवाने में असमर्थ

से लागू करवाने में असमर्थ है। उदाहरण स्वरूप नगर-निगम जालंधर और स्मार्ट सिटी के सीओई द्वारा बनाई गई योजना जिसमें जालंधर में करोड़ों की लागत से सिटी के 11 चौकों का सौंदर्यकरण करना जिसमें पहले चरण का काम एच.एम.वी चौक से शुरू किया गया जो कि पिछले तकरीबन डेढ़ महीने पहले से चल रहा है। ठेकेदार ने चौक के आसपास खड्डा करके छोड़ दिया है उस खड्डे में बरसात का पानी भरने के कारण काफी हादसे हो चुके है और भविष्य में होने का खतरा बरकरार है। इस कार्यप्रणाली में ना ही नगर- निगम जालंधर व प्रशासन द्वारा बनाई गई हिदायतों का पालन हो रहा है जिसमें कि कोई भी निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले वहां पर बैरीगैंटिंग, सावधानियों को बरतनें के लिए कोई साईनिज का प्रयोग और ना ही नोटिस बोर्ड लगाया गया है जिसमें लिखा होना जरूरी है कि ये कार्य कितनी राशि का है इसकी समय सीमा क्या है, ये किस एजेंसी को अलाट किया गया है। उसका मोबाइल नं. ये सभी नियमों को अफसरों द्वारा लागू करवाना जरूरी होता है परन्तु अफसर आंखें मूंदी बैठे है। ना ही इस कार्य की क्वालिटी कंट्रोल का निरीक्षण करने के लिए कोई पक्के तौर से जेई या एसडीओ कोई इस के ऊपर लगाया गया है। लोगों के खून पसीने की कमाई से सरकार को टैक्स के रूप में जो राशि लोगों द्वारा जमा करवाई जाती है उसका दुरुपयोग करना उचित नहीं है इसलिए सरकार को इस प्रोजैक्ट के एग्जीबुशन के लिए इंजीनियरिंग विभाग के अफसरों की कमेटी नियुक्त करनी चाहिए जोकि समय-समय पर इस प्रोजैक्ट को निगरानी में केन्द्र की इस योजना को सुचारू ढंग से लागू करवाए और जो अफसर इस योजना को काम को लागू करवाने में अनदेखी दिखा रहे है उनके खिलाफ सरकार को कारवाई करने के लिए सिफारिश की जाए।

किसी फ्लाईओवर की लैंडिंग को किसी स्कूल या कालेज के गेट के आगे कैसे उतारा जा सकता है?

■ जालंधर/ नीरज

पिछली अकाली-भाजपा सरकार ने बड़े जोर-शोर से प्रचार करके बताया कि हमने जालंधर में बड़ी-बड़ी सड़कें , बड़े-बड़े फ्लाईओवरों का निर्माण करवाया है जिसमें एक बी.एम.सी चौक में भी फ्लाईओवर का निर्माण लोकल बोडी के इंप्रूवमेंट ट्रस्ट द्वारा करवाया गया था।

इस फ्लाईओवर का मकसद तो शहर के बाहर से आने वाले ट्रैफिक और शहर के अंदर से बाहर जाने वाले ट्रैफिक को शहर की तंग ट्रैफिक व्यवस्था से बचाना था परन्तु आज भी यह

समस्या वैसी की वैसे बरकरार है जिसका एक उदाहरण बी.एम.सी चौक के फ्लाईओवर की एक तरफ की लैंडिंग को लीयोफोर्ट होटल को ना उतारना और दूसरी तरफ की लैंडिंग को एपीजे कालेज के गेट के आगे उतारना। ये बहुत बड़ी जाँच का विषय है कि इस फ्लाईओवर को डिजाइन करने के समय में अफसरों द्वारा ये चीज़ क्यों ध्यान में नहीं ली गई कि जहां पर फ्लाईओवर की लैंडिंग को उतार रहे है वहां पर एक कालेज और स्कूल स्थित है जिसमें पहले से बड़ी संख्या में स्कूल व कालेज के लगने और बंद होने के समय में बच्चे पैदल रोड़ पार करते है और ना ही इनकी करौसिंग के लिए यहां पर फुटओवर ब्रिज का निर्माण करवाया गया है जिसके परिणामस्वरूप आज भी बी. एम. सी चौक पर जाम ही रहता है और मासूम बच्चे हादसों का शिकार हो रहे इसकी तुरंत प्रभाव से किसी हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से जाँच करवानी चाहिए कि किन हालातों में इस गंभीर मुद्दे को डिजाइन टीम द्वारा इग्नोर किया गया और अभी तक इस समस्या के निजात के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाये गये।

फिलहाल ट्रैफिक पुलिस को गेट के सामने जो कट है उसको पक्का बंद करना चाहिए और पक्का मुलाजिम सुबह शाम ड्यूटी पर तैनात करना चाहिए ताकि कोई भी बच्चा फ्लाईओवर के बिल्कुल आगे से सड़क को पार ना करे।

दिन को काटने वाला मच्छर डेंगू से भी खतरनाक- डा. एस जौहल

■ जालंधर/ नीरज

बदलते मौसम के चलते धीरे-धीरे डेंगू अपने पाँव पसार रहा है। पिछले दिनों से रामामंडी में डेंगू के मच्छरों ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। रामामंडी स्थित जौहल अस्पताल में आज डेंगू का एक मरीज पहुंचा और जौहल अस्पताल के डा. बी.एस. जौहल ने बताया कि उसके पास प्रतिदिन एक दो मरीज आ ही रहे है। उन्होंने बताया कि मरीजों से लक्ष्ण डेंगू से मिलते है। जब टैस्ट किया जाता है तो डेंगू नहीं आता है। उन्होंने बताया कि इससे इस बात से भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि नई किस्म का वायरल जो कि डेंगू से मिलता जुलता है वह फैल रहा है। डा. जौहल ने बताया कि आने वाले मरीजों को बुखार सिर सर्द होता है लेकिन टैस्ट में डेंगू नहीं आता है। उन्होंने कहा कि मच्छरों से बचे तथा अपने घरों में तथा आसपास पानी को जमा न होने दे शरीर को ढक कर रखे। उन्होंने कहा कि यह मच्छर अधिकतर दिन के समय ही काटता है।

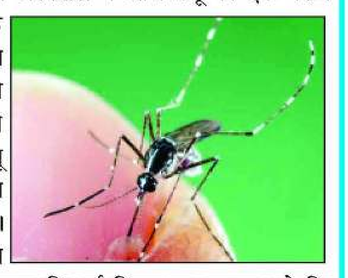

थॉमस कुक के दिवालिया होने से टूरिज्म इंडस्ट्री को बड़ा झटका, दुनियाभर में मचा हड़कंप

यात्रा सेवाएं उपलब्ध कराने वाली ब्रिटेन की पुरानी कंपनी थॉमस कुक कर्ज का बोझ झेलते-झेलते दिवालिया हो गई। इसी के साथ ही दुनियाभर में थॉमस कुक की सेवाएं ले रहे करीब छह लाख पर्यटक जहां तहां फंस गए। हालांकि इस परिस्थिति को देखते हुए ब्रिटेन सरकार ने एक बड़ा अभियान चलाया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अभियान

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वदेश वापसी का यह सबसे बड़ा अभियान है जिसके मुताबिक ब्रिटेन सरकार ने छुट्टियां बिताने देश से बाहर गए 1.5 लाख नागरिकों को स्वदेश लाने के लिए योजना बनाई है। जिस पर काम भी शुरू हो चुका है। आपको बता दें कि ब्रिटेन सरकार ने बुल्गारिया, क्यूबा, तुर्की और अमेरिका गए यात्रियों को स्वदेश लाने के लिए विमानों की व्यवस्था भी कर ली है अब वह जल्द ही ब्रिटेन आ जाएंगे।

ब्रिटेन के परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने कहा कि सरकार ने और ब्रिटेन के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने थॉमस कुक के ग्राहकों को स्वदेश लाने के लिए कई विमानों को किराए पर लिया है।

दिवालिया होने के पीछे की वजह ?

ब्रिटेन की 178 साल पुरानी थॉमस कुक कंपनी पिछले कुछ सालों से कर्ज बोझ तले दबने लगी थी। कंपनी ने ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने को लेकर जारी कश्मकश को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार बताया। उसकी

बुकिंग कम होने लगी थी और यही वजह है कि उसे निजी निवेशकों से 20 करोड़ पाउंड जुटाने में भी असफलता हाथ लगी।

कंपनी का 2007 का विलय सौदा उसके लिए घातक रहा, इसके बाद से ही वह लगातार वित्तीय संकट से जूझती रही और आखिरकार सोमवार को उसने खुद को दिवालिया घोषित कर दिया। इसके बाद कंपनी के 6 लाख के करीब पर्यटक दुनियाभर में जहां तहां फंस गये।

कुछ वक्त पहले कंपनी ने बताया था कि ब्रेक्जिट की वजह से उन्हें मंदी का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से उन पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है।

22 हजार कर्मचारी बेरोजगार

थॉमस कुक के दिवालिया साबित होने के बाद विमान खड़े हो गए हैं और कंपनी की सभी ट्रैवल एजेंसियां भी बंद हो गई हैं। जिसके बाद 22 हजार कर्मचारी अपनी आजीविका खो बैठे हैं। इनमें से अकेले 9,000 कर्मचारी ब्रिटेन में हैं। थॉमस कुक द्वारा साल 1841 को शुरू हुई कंपनी काफी समय से घाटे का सामना कर रही थी और दिन-प्रतिदिन बोझ तले दबने के बाद कंपनी ने सोमवार को अपना दम तोड़ दिया। शुरुआती दौर में घरेलू यात्रियों को सुविधा पहुंचाने वाली इस कंपनी ने धीरे-धीरे अपने पैर पसारने शुरू कर दिए थे और बाद में दुनियाभर के यात्रियों को अपनी सेवाएं दे रहे थे। इतना ही नहीं दिवालिया घोषित होने के पहले कंपनी ने 6 लाख यात्रियों की बुकिंग को रद्द कर दिया था।

कंपनी को लगा गहरा सदमा

कंपनी थॉमस कुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर फेंकहौउजर ने कहा दर्द बयां करते हुए कहा कि यह मेरे और कंपनी बोर्ड के बाकी सदस्यों के लिए गहरे खेद का विषय है कि हम सफल नहीं हो पाये। यह कंपनी के लिए बहुत बुरा दिन है।

क्या भारत पर पड़ेगा इसका असर ?

गोवा की ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एसोसिएशन ने बताया कि कंपनी के दिवालियों घोषित हो जाने के बाद इसका हमारे देश में काफी असर पड़ सकता है। क्योंकि ब्रिटेन से गोवा आने वाले पर्यटकों की अब कमी हो सकती है। एसोसिएशन के अध्यक्ष साविओ मेसिह ने आंकड़े देते हुए कहा कि पिछले पर्यटन सत्र में ब्रिटेन से 30 हजार पर्यटक भारत आए थे और इन पर्यटकों में से ज्यादातर पर्यटक तो थॉमस कुक की सेवाएं लेकर ही गोवा पहुंचे थे। गोवा में अभी तक ब्रिटेन से आए पर्यटक औसतन 14 रातें गुजारते थे लेकिन मौजूदा परिस्थिति के बाद कहा जा रहा है कि पर्यटकों की संख्या में तकरीबन 50 फीसदी की गिरावट आएगी। जिसका मतलब है कि इस पर्यटन वर्ष में करीब 15 हजार के आस-पास ब्रिटेन से यात्री गोवा में छुट्टियां बिताने आ सकते हैं। लेकिन थॉमस कुक इंडिया ने एक बयान जारी करते हुए कंपनी की स्थिति से सभी को अवगत कराया। भारत में हमारी वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है। क्योंकि थॉमस कुक इंडिया का 77 फीसदी हिस्सा साल 2012 में कनाडा के ग्रुप फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग ने खरीद लिया था। तभी से थॉमस कुक का थॉमस कुक इंडिया में कोई भी हिस्सा नहीं है।

खुला मंच

● विचारधारा ● चिंतन-मंथन ● दृष्टिकोण

ट्विटर

दुनिया को संदेश स्पष्ट है कि देश को सुरक्षित और एकजुट रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आज पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ है।

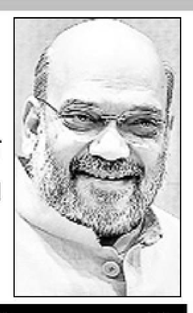

-अमित शाह, गृहमंत्री

उक्ति

"'अनेकता में एकता इस देश की शान है इसीलिए मेरा भारत महान है'। मैं चाहता हूं कि देश का हर नागरिक आपसी सद्भाव को कायम कर आगे बढ़े।

-जवाहर लाल नेहरू

दखल

ह्यूस्टन में मोदी-ट्रंप ने बनाया इतिहास

ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में हाउडी मोदी में भारत-अमेरिका के संबंधों की एक और बानगी दिखी। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात कही तो वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस मुद्दे पर पाक का नाम लिए बगैर निशाना साधा। दोनों ही नेताओं के आतंकवाद के खिलाफ प्रतिबद्धता जताने से साफ है कि आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए एक-दूसरे का साथ निभाने को तैयार हैं।

ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में ऐतिहासिक हाउडी मोदी कार्यक्रम में भारत-अमेरिका के संबंधों की एक और बानगी दिखाई दी। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात कही तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान का नाम लिए बगैर निशाना साधा। दोनों ही नेताओं ने एक दूसरे की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार तक किया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भारत दर्शन कराया गया। अंत में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने एक-दूसरे का हाथ थामकर पूरे स्टेडियम का पैदल चक्कर लगाया। इस सबके पीछे की बड़ी वजह भारत-अमेरिका के गहरे होते रिश्ते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहां अपने आधे घंटे के भाषण में इस्लामी आतंकवाद पर प्रहार किया, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पाकिस्तान का नाम लिए बगैर ही उसे आतंकवाद का गढ़ बताते हुए निशाना साधा। ऐसे में दोनों ही नेताओं के आतंकवाद के खिलाफ प्रतिबद्धता जताने से साफ हो जाता है कि दोनों देश अब आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए एक-दूसरे का साथ निभाने को तैयार हैं।

खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने में कहा कि उनका प्रशासन आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का काम कर रहा है और यह आगे भी जारी रहेगा। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी मुंबई के 26/11 हमले को अमेरिका के 09/11 हमले से जोड़कर दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत होने का संदेश दिया। यह पूरा घटनाक्रम बेहद खास इसलिए भी है क्योंकि इससे आतंकवादियों को पालने वाले पाकिस्तान पर अब दबाव और बढ़ सकता है। जबकि कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने पर पहले ही उसे विश्व समुदाय दूर अमेरिका तक का समर्थन नहीं मिला। पांच साल पहले जब न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वेयर गार्डन में जुटी भारी भीड़ ने मोदी का रॉक स्टार की तरह स्वागत किया था तो उसे उनकी जीत के तौर पर देखा गया जिसे अमेरिका करीब एक दशक तक वीजा देने से इनकार करता आया था।

इसी अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को आधे घंटे से ज्यादा इंतजार करवाया उस अमेरिका में मोदी-ट्रंप का ये शो क्या भारत अमेरिका रिश्तों की नई इबारत लिख पाएगा? नरेंद्र मोदी टेक्सस के ह्यूस्टन में करीब 50 हजार से ज्यादा भीड़ को संबोधित किया। जब वो भाषण दे रहे थे तब उनके बगल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे। नरेंद्र मोदी और ट्रंप का एक साथ मौजूद रहना मोदी की पीआर टीम की जीत के तौर पर भी देखा जा रहा है। मगर यह आयोजन भारत-अमेरिका के आपसी संबंधों की बढ़ती अहमियत की गवाही देता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारतीय मूल के अमेरिकी समुदाय की ताकत को दर्शाता है। वहीं अमेरिका में मौजूद 20 प्रतिशत एशियाई समुदाय का झुकाव अमूमन डेमोक्रेट्स की तरफ रहा है। इस समुदाय में भारतीय भी शामिल हैं। अगर हाउडी मोदी कार्यक्रम के मकसद के मुताबिक इस समुदाय का थोड़ा भी झुकाव रिपब्लिकन पार्टी की तरफ जाता है तो इससे ट्रंप को फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी इसके बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। मोदी ने ट्रंप के सामने अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा, यह देश के सामने 70 साल से बड़ी चुनौती था, जिसे देश ने फेयरवेल दे दिया। अनुच्छेद-370 ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विकास से और समान अधिकारों से वंचित रखा था। इस स्थिति का लाभ आतंकवाद और अलगाववाद बढ़ाने वाली ताकतें उठा रही थीं। अनुच्छेद 370 को खत्म करके दो जम्मू-कश्मीर व लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए। जो अधिकार भारत के लोगों को था, वही अधिकार वहां के लोगों को भी मिल गया है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि हिंदुस्तान के सभी सांसदों के सम्मान के लिए खड़े होने की अपील भी की, जिस पर लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाईं।

अगर व्यापार के मसले पर अमेरिका से समझौता होता है, भारत शुल्क कम करता है और नियमों में कोई ढील देता है तो उसका फायदा यूएनजीसी की बैठक में कश्मीर के मसले पर भारत को हो सकता है। डोनल्ड ट्रंप पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद वो मंगलवार को फिर पीएम नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। एक तरह से पीएम मोदी के पास मौका है कि वो यूएनजीसी की बैठक से पहले ट्रंप का समर्थन हासिल कर लें। लेकिन, पाक को अमेरिका का खुले तौर पर साथ मिलना मुश्किल लग रहा है। फिलहाल वैश्विक आतंकवाद को लेकर अमेरिका की नजर में पाक छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर कमतर हुई है। दरअसल अफगानिस्तान में तालिबान से शांति वार्ता को लेकर अमेरिका के लिए पाक अहम बना था। अमेरिका अफगानिस्तान से बाहर निकलना चाहता है और तालिबान की पाक से नजदीकी के कारण उसे पाकिस्तान के सहयोग की जरूरत है।

पाक को भी अपने आर्थिक हालात से निपटने के लिए अमेरिका की मदद चाहिए। ऐसे में तालिबान के मसले पर पाकिस्तान से एक सकारात्मक भूमिका निभाने की उम्मीद थी। यही वजह हो सकती है कि इमरान से मुलाकात के बाद ट्रंप ने कश्मीर मसले पर मध्यस्थता की पेशकश की थी। लेकिन, तालिबान से वार्ता विफल होने के बाद फिलहाल उसका इतना महत्व नहीं रहा। ऐसे में अमेरिका के लिए पाकिस्तान की स्थिति कमजोर दिखाई देती है। वहीं दूसरी ओर यहां भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है अगर वो व्यापार में अमेरिका के साथ सहयोग करे। जिसका सीधा फायदा पीएम नरेंद्र मोदी को भारत में भी मिलेगा। अमेरिका से अच्छे संबंध होना न सिर्फ भारतीय बाजारों में एक अच्छा माहौल बनाएगा बल्कि लोगों में भी मोदी की एक मजबूत छवि बनाएगा। फिर मंच पर पहुंचे पीएम मोदी ने उत्साहित भीड़ को देखकर कहा कि जो दृश्य है, वह अकल्पनीय है। विशालता और भव्यता टेक्सास के स्वभाव में है। आज हम यहां नया इतिहास और भारत व अमेरिका के बीच परवान चढ़ते रिश्तों का नया रूप देख रहे हैं। आज यहां नई हिस्ट्री व केमिस्ट्री बन रही है। ट्रंप का यहां आना, मेरे लिए, भारत के लिए और अमेरिका में रह रहे भारतीयों और 130 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। स्टेडियम में लोगों का स्वागत करता हूं और जो लोग यहां नहीं आ पाए, उनसे क्षमा मांगता हूं।

आज ह्यूस्टन ने यह साबित कर दिया है कि वह बेहद मजबूत है। इन सभी बातों के जरिए जहां मोदी ने लोगों का दिल जीता वहीं राष्ट्रपति ट्रंप को सपरिवार भारत आने का न्योता देकर उनके साथ अपनी केमिस्ट्री का परिचय भी दिया। पीएम मोदी ने कहा, ट्रंप आर्ट ऑफ द डील में माहिर हैं। मैं उनसे सीख रहा हूं। उनसे बातचीत से सकारात्मक परिणाम आएंगे। इस दौरान मोदी ने ट्रंप को सपरिवार भारत आने का न्योता दिया। संबोधन के आखिर में मोदी ने स्टेडियम में आए सभी लोगों का आभार जताया और ट्रंप के साथ सभी का अभिनंदन करते हुए निकल गए। हाउडी मोदी कार्यक्रम में साठ हजार से ज्यादा लोगों की उपस्थिति इस बात की ओर इशारा है कि कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा। वहीं कार्यक्रम में ट्रंप के सामने नमो-नमो की नारों की गूंज ने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत में मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप का परिचय देते हुए करीब 7 मिनट भाषण दिया। इसमें उन्होंने ट्रंप की जमकर तारीफ की। इस कार्यक्रम की भव्यता ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

विशेष संपादकीय

उपचुनाव बदलेंगे समीकरण

यूएस में मोदी का जलवा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एनआरजी स्टेडियम में जोश और जज्बे से भरपूर 50 हजार लोगों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में जमू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले से बौखलाए पाकिस्तान पर करारा वार किया। अमेरिकी धरती से पीएम ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर तंज कसते हुए कहा, कुछ लोग ऐसे हैं, जिन्हें अनुच्छेद 370 से दिक्कत है। जिनसे अपना देश संभल नहीं रहा है। ये वे लोग हैं जो अशांति चाहते हैं, आतंक के समर्थक हैं, आतंक को पालते पोसते हैं, उनकी पहचान सिर्फ आप ही नहीं पूरी दुनिया अच्छे से जानती है। इन लोगों ने भारत के प्रति नफरत को ही अपनी राजनीतिक का केंद्र बना लिया है। पाक का नाम लिए बगैर उस पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, अमेरिका में 9/11 हो या फिर भारत में 26/11, उसके साजिशकर्ता कहां पाए जाते हैं? उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक बिरादरी को आगे आने की अपील करते हुए कहा, साथियों अब समय आ गया है कि आतंकवाद के खिलाफ और आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाए। उन्होंने कहा, आतंक के खिलाफ ट्रंप हमारे साथ हैं। आतंकवाद को लेकर मोदी और ट्रंप पहले भी पाक को दो टूक सुना चुके हैं। आतंकवाद को लेकर मोदी ने पाक को जो सुनाया, उस पर उसे मिर्ची लगनी ही थी। सो, रेल मंत्री फवाद चौधरी का बयान आ गया। फवाद कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी मोदी जनता का निराशाजनक शो। ये सिर्फ यही कर सकते हैं यूएसए, कनाडा व दूसरी जगहों से लोगों को इकट्ठा कर सकते हैं, लेकिन यह दिखाता है कि पैसों से सब कुछ नहीं खरीदा जा सकता। फवाद का यह बयान तब आया, जब उनके प्रधानमंत्री इमरान अमेरिका में बेइज्जती झेल रहे थे। अमेरिका पहुंचने पर एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत हुआ तो वहीं इमरान खान की बेइज्जती हो गई। दरअसल, इमरान जब सऊदी के विमान से न्यूयॉर्क पहुंचे तो स्वागत करने के लिए कोई बड़ा अमेरिकी अधिकारी नहीं था। पाक को शर्मिंदगी उस वक्त हुई जब इमरान के आगे रेड कार्पेट भी लगभग एक फुट का ही बिछा था। खैर, यह पाकिस्तान है, आदत से बाज नहीं आएगा। मगर ह्यूस्टन में भारत की ताकत का जो नजारा पूरी दुनिया ने देखा, वह हर भारतीय को गर्व से भर देने वाला है। हाउडी मोदी के मंच पर मोदी और ट्रंप की कमेस्ट्री देख हर कोई दंग था। न कोई प्रोटोकॉल था और न ही कोई विदेश नीति की बाधा। दोनों मिले तो दोस्त की तरह। बातें की तो एक-दूसरे की भलाई के लिए। दोनों ही नेताओं ने एक दूसरे की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार तक किया। इस सब के अंत में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने एक- दूसरे का हाथ थामकर पूरे स्टेडियम का पैदल चक्कर लगाया। इस सबके पीछे की वजह भारत-अमेरिका के गहरे होते रिश्ते हैं।

निगाहें हालांकि हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव पर है, मगर इसी दौरान 18 राज्यों की 63 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के नतीजे कई राज्यों में सियासत की नई पटकथा लिखेंगे। मसलन कर्नाटक में विधानसभा उपचुनाव सीएम बीएस येदियुरप्पा के लिए करो या मरो का सवाल है तो यूपी और बिहार में सीएम योगी आदित्यनाथ व नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा का सवाल। राजस्थान और मध्यप्रदेश के नतीजे बताएंगे कि वहां की सियासत में जारी शह और मात के खेल में भाजपा और कांग्रेस में किसका पलड़ा भारी है। जबकि केरल के नतीजे तय करेंगे कि वाम दलों की देश की सियासत में आखिरी उम्मीद भी बचेगी या नहीं। उपचुनाव की दृष्टि से कर्नाटक सबसे अहम है जहां 15 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। ये वह सीटें हैं जो कांग्रेस और जदएस के विधायक के इस्तीफे से खाली हुई है और बहुमत हासिल करने के लिए साारूढ़ भाजपा को हर हाल में 8 सीटें जीतनी होगी। ऐसा नहीं होने पर येदियुरप्पा और भाजपा सरकार मुश्किलों में घिर सकती है। येदियुरप्पा की चुनौती इसलिए भी बड़ी है कि जिन इलाकों की ये सीटें हैं उन्हें कांग्रेस-जदएस का गढ़ माना जाता है। इस समय कुल 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 105 विधायक हैं जो बहुमत से 8 कम हैं। उप्रदेश का उपचुनाव भाजपा ही नहीं सपा-बसपा की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा हुआ है। सीएम योगी के सामने जहां भाजपा की 11 में से 9 सीटें बचाने की चुनौती है, वहीं नतीजे यह साबित करेंगे कि सपा और बसपा में से कौन सही मायने में भाजपा को टकर दे रहा है। सपा और बसपा दोनों को पता है कि उपचुनाव के नतीजे में विपक्ष का वोट जिस दल की ओर ज्यादा झुकेगा उस दल के पक्ष में भविष्य में भाजपा के विरोधी वोटों का ध्रुवीकरण भी होगा। यही कारण है कि सपा और बसपा ने उपचुनाव के लिए सारी ताकत झोंक दी है।

केरल वाम दलों की आखिरी उम्मीद है, जिसे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने हिला कर रख दिया था। इस राज्य की पांच सीटों पर चुनाव होने हैं। नतीजे तय करेंगे कि या मतदाताओं ने वाम राजनीति के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का फैसला कर लिया है। मध्यप्रदेश-राजस्थान से भी बड़े संकेत मिलने की उम्मीद है। इन दोनों राज्यों में पिछले साल कांग्रेस ने बमुश्किल से सरकार बनाई थी। हालांकि, लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। अब मध्यप्रदेश की एक और राजस्थान की जिन दो सीटों पर उपचुनाव होने हैं, वह सीटें भाजपा और उसके सहयोगी की थी। जाहिर तौर पर अगर कांग्रेस ये सीटें छीनने में कामयाब रही तो उसका मनोबल बढ़ेगा, दूसरी स्थिति में भाजपा को मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगा। बिहार में ऐसे समय में विधानसाभा की पांच सीटों और लोकसभा की एक सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं जब भाजपा और जदयू में तनातनी चल रही है। विधानसभा की चार सीटों पर जदयू तो लोकसभा की एक सीट पर

निगाहें हालांकि हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव पर हैं, मगर इसी दौरान 18 राज्यों की 63 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के नतीजे कई राज्यों में सियासत की नई पटकथा लिखेंगे। अतः इस चुनाव को भाजपा से कहीं ज्यादा विपक्ष को गंभीरता से लेना होगा। वरना तो भाजपा की तैयारी पूरी है। अब क्या होगा, यह 24 अक्तूबर को सामने आएगा।

लोजपा का कब्जा था। नीतीश अगर अपनी सीटें बचाने में कामयाब रहे तो उनका कद बढ़ेगा, मगर तब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे राजद की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। बिहार में लोकसभा की एक और विधानसभा की पांच सीटों पर होने वाले चुनाव में महागठबंधन के नए समीकरण की असली परीक्षा होगी। पिछले चुनाव में विधानसभा की सभी पांच सीटों पर महागठबंधन का कब्जा था। बाद में जदयू के महागठबंधन छोड़ने के साथ पांच में चार विधायक एनडीए का हिस्सा हो गए। एक मात्र सीट किशनगंज पर कांग्रेस के उम्मीदवार ने जीत हासिल की थी जो अब भी महागठबंधन के साथ है। पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का स्वरूप अलग था। उस समय राजद, जदयू और कांग्रेस साथ थी। इस समीकरण ने उन सभी पांच विधानसभा सीटों पर कब्जा जमा लिया था जिसपर अभी चुनाव होना है। लेकिन वर्तमान में महागठबंधन से जदयू अलग हो गया है। जीतन राम मांझी की पार्टी हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोसपा महागठबंधन के साथ हो गई है। पिछले चुनाव में रालोसपा एनडीए के साथ थी। बिहार राज्य की राजनीति में बना यह नया समीकरण लोकसभा चुनाव में सफल नहीं हो सका। लेकिन तब माना गया कि वह चुनाव राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़ा गया था।

लिहाजा, उप चुनाव में 21 अक्तूबर को होने वाली वोटिंग को ही अगले विधानसभा चुनाव के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है। इन चुनाव में महागठबंधन के लिए अपनी सभी उन सीटों को बचाने की कड़ी चुनौती होगी जिनपर पिछले समीकरण के साथ जीत हासिल की गई थी। महागठबंधन के घटक दलों में सीटों को लेकर सामूहिक रूप से अभी बात नहीं हो पाई। तेजस्वी यादव रविवार को झारखंड गए हैं। दो दिन में लौटने के बाद सीटों को लेकर घटक दलों से बात हो सकती है। लेकिन वर्तमान में घटक दलों से उठ रहे स्वर से लग रहा है कि पेच फंसेगा। कम से कम नाथनगर और सिमरी बख्तियरपुर दो सीट पर तीनों दलों की दावेदारी से पेच सुलझाना आसान नहीं होगा। दरौंदा और बेलहर पर राजद की दावेदारी में कोई बाधा नहीं है। वहीं, लोकसभा की समस्तीपुर सीट का तो महागठबंधन में कांग्रेस के खाते में जाना लगभग तय है। उस सीट से पिछले चुनाव में भी कांग्रेस ने ही उम्मीदवार दिया था। इसी के साथ किशनगंज विधानसभा सीट पर कांग्रेस की दावेदारी मजबूत है। राजद इन दो सीटों को छोड़ विधान सभी की शेष बची सभी चार सीटों पर अपना उम्मीदवार देना चाहता है। लेकिन कांग्रेस भी सिर्फ किशनगंज सीट लेकर संतोष करने के पक्ष में नहीं है। उसने नाथनगर या सिमरी बख्तियारपुर में से किसी एक सीट पर दावा ठोकने का मन बना लिया है। हम ने भी नाथनगर और किशनगंज पर दावा ठोकने का फैसला किया है। रालोसपा अभी शांत है। लेकिन पार्टी सूत्रों के अनुसार वह भी सिमरी बख्तियारपुर सीट पर दावा ठोक सकती है। ऐसे में चुनाव मैदान में उतरने के पहले महागठबंधन के घटक दलों को आपस में ही जूझना होगा।

अब जबकि चुनाव का बिगुल बज चुका है, तो आने वाले कुछ दिनों में कई राज्यों की सियासत जोर पकड़ेगी और नए-नए समीकरण बनने शुरू हो जाएंगे। जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें महाराष्ट्र और हरियाणा ही ऐसे हैं, जिन पर पूरे देश की निगाह होगी। इनके अलावा शेष राज्यों में उपचुनाव होने हैं। यह चुनाव भले ही राज्यों तक सीमित हों, भले ही समीकरण स्थानीय हों, मगर परिणाम की झलक दूर तक दिखाई देगी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत और विपक्ष की हार के बाद यह चुनाव कई दलों की प्रतिष्ठा को नए सिरे से आंकने का काम करेगा। अगर भाजपा का प्रदर्शन फीका रहा तो संदेश केंद्र के खिलाफ भी जाएगा और विपक्ष फिर पस्त हुआ तो भाजपा का बढ़ता जनाधार और भी मजबूत होगा। अतः इस चुनाव को भाजपा से कहीं ज्यादा विपक्ष को गंभीरता से लेना होगा। वरना तो भाजपा ने जीत हासिल करने की तैयारी कर ली है। अब या होगा, यह 24 अक्तूबर को सामने आएगा।

पंजाब सरकार श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के जश्नों के अवसर पर सिख जगत की 550 मशहूर हस्तियों को करेगी सम्मानित

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार द्वारा श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के जश्नों के मौके पर 550 नानक नाम लेवा मशहूर शख्सियतों का सम्मान किया जायेगा। इस सम्बन्धी पर्यटन और सांस्कृतिक मामले संबंधी मंत्री श्री चरनजीत सिंह चन्नी ने आज पंजाब सरकार के सीनियर अधिकारियों के साथ एक मीटिंग की। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों संबंधी मंत्री श्री चन्नी ने बताया कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह के योग्य नेतृत्व में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के जश्नों के मौके पर 550 प्रसिद्ध नानक नाम लेवा हस्तियों को सम्मानित करने का प्रोग्राम बनाया जा रहा है। इस सूची में वह शख्सियतें शामिल हो सकेंगी जिनको गुरू नानक देव जी की शिक्षाओं पर पूरा भरोसा है और जिन्होंने इन शिक्षाओं को अपनाकर अपने जीवन के विभिन्न पड़ावों को पार किया या जिन्होंने समाज के लिए कोई कीमती योगदान दिया या पहली पातशाही की शिक्षाओं को मार्गदर्शक मानते हुए अपने चुने हुए पेशे या क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि ऐसी शख्सियतें भारत या विदेश से भी हो सकती हैं और इन सत्कार योग्य हस्तियों को खोजने का सिलसिला पूरी

दुनिया में चलाया जायेगा। ऐसी मशहूर शख्सियतों तक पहुँचने के लिए पंजाब सरकार द्वारा इश्तिहार भी दिया गया है, जिसमें संस्थाओं को नानक नाम लेवा हस्तियों को नामांकित करने /नाम भेजने या आम लोगों को ऐसी प्रसिद्ध हस्तियों के नाम सुझाने की छूट होगी, जो यह सम्मान हासिल करने के हकदार समझे जाते हों। यह नाम बिना किसी जात-पात, धर्म, फिरके और नागरिकता के भेदभाव से भेजे या सुझाए जा सकते हैं।

मंत्री ने सम्मान प्राप्त करने योग्य संस्थाओं या हस्तियों को ढूँढने के लिए पाँच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी निजी तौर पर या अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर ऐसी हस्तियों के नाम खोजेगी और अंतिम रूप देने के लिए मुख्य सचिव को भेजे जाएंगे।

श्री चन्नी ने बताया ऐसी हस्तियों को सम्मानित करने के लिए आई.के.जी.पी.टी.यू कपूरथला में 10 नवंबर को एक विशाल समागम आयोजित किया जायेगा, जहाँ मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह इन हस्तियों का सम्मान करेंगे।

इस मौके पर अन्यों के अलावा श्री राहुल तिवारी सचिव रोज़गार सृजन, श्री. एस.एस श्रीवास्तव आई.जी इंटेलिजेंस, श्री ए.एस सेखों ए.एम.डी रोज़गार सृजन, प्रो. एम.पी.एस ईशर, वी.सी महाराजा रणजीत सिंह तकनीकी यूनीवर्सिटी, बठिंडा, श्री मोहनबीर सिंह सिद्धू अतिरिक्त डायरैक्टर तकनीकी शिक्षा, श्री लखमीर सिंह अतिरिक्त डायरैक्टर पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले, डा. सेनू दुग्गल अतिरिक्त डायरैक्टर सूचना एवं लोक संपर्क, श्रीमती दलजीत कौर अतिरिक्त डायरैक्टर तकनीकी शिक्षा, डा. ई.एस जौहल और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863,

All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.

मोदी के साथ ट्विटर वार्तालाप के बाद उठे अटकलों के दौर को देवड़ा ने बताया निराधार

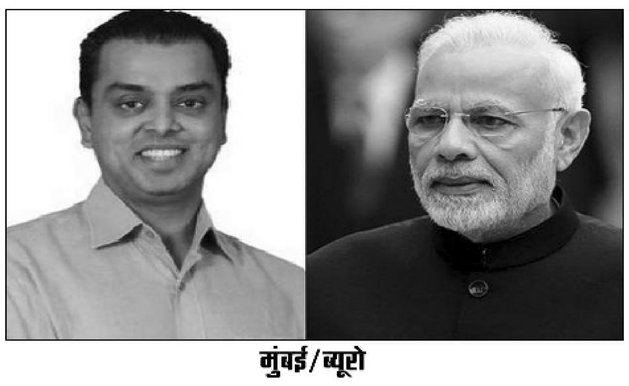

मुंबई/ब्यूरो

कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने मंगलवार को कहा कि उनके भविष्य के राजनीतिक कदम के बारे में जो अटकलें लगायी जा रही हैं वे निराधार हैं। देवड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा की सराहना करते हुए ट्वीट किया था और इस पर प्रधानमंत्री ने जवाबी ट्वीट किया था।देवड़ा ने टेक्सास में मोदी के भाषण की प्रशंसा की थी। प्रधानमंत्री ने उनके ट्वीट का जवाब देते हुए मिलिंद के पिता और अपने दिवंगत मित्र मुरली देवड़ा की अमेरिका के साथ मजबूत संबंधों की प्रतिबद्धता को याद किया था।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि देवड़ा की टिप्पणी पर एआईसीसी जवाब देगी।देवड़ा ने एक बयान में कहा कि उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों की विरासत अपने पिता मुरली देवड़ा से मिली है। उन्होंने कहा, ''मेरे पिता पहली बार 1968 में आदान-प्रदान (एक्सचेंज) छात्र के रूप में अमेरिका गए थे और रॉबर्ट एफ कैनेडी से मिलने के बाद सार्वजनिक जीवन में आने और दोनों लोकतंत्रों के बीच मजबूत संबंध बनाने का फैसला किया।

संस्थानों, राजनीतिक दलों और नेताओं के साथ मेरे परिवार के रिश्ते भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए थे।'' देवड़ा ने कहा कि उनके पिता के प्रयासों और रिश्तों ने भारत के राष्ट्रीय हितों को मजबूत बनाने में मदद की। उन्होंने कहा, मेरे दिवंगत पिता ने भारतीय प्रधानमंत्रियों और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ मिलकर दलगत भावना से ऊपर उठकर काम किया।

उन्होंने कहा कि उन्हें विरासत में मिले अनुभव और रिश्तों का बहुत मतलब नहीं है, अगर उनसे भारत को लाभ नहीं हो। उन्होंने कहा, ''अंत में, मैं अपना पिता का पुत्र हूं। मित्रता उनकी राजनीति का आधार थी। इसने हमें भुवनेश्वर से बोस्टन और वाल्केश्वर से वाशिंगटन तक मित्र और शुभचिंतक मिले। मैं अपने मूल विश्वासों से समझौता नहीं करूंगा...''

सरबत स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सरकारी और निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में मिलेगी 5 लाख तक वर्षीक नि:शुल्क उपचार की सुविधा -सिविल सर्जन

जालंधर/नीरज

आयूषमान भारत-सरबत स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सरकारी और निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में 5 लाख रुपए तक नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। इन विचारों का प्रगटावा सिविल सर्जन जालंधर डा.गुरिन्दर कौर चावला ने आज सिविल अस्पताल जालंधर में आम लोगों से बातचीत करते हुए किया। इस अवसर पर उनके साथ डा.रमन शर्मा कार्यकारी डिप्टी मैडीकल कमिशनर, डा.गुरिन्दर कौर एस.एम.ओ, श्रीमती नीलम कुमारी डिप्टी समूह शिक्षा और सूचना अधिकारी, श्री फतेहदीप सिंह जिला कोआरडीनेटर (एस.एच.ए.), श्री चेतन राय शिकायत निवारण अधिकारी, श्री अवतार सिंह, श्री वरिन्दर कुमार और श्री अरमिन्दर सिंह भी मौजूद थे।

डा.चावला ने आगे बताया कि आयूषमान भारत-सरबत स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत परिवार के किसी भी व्यक्ति को अस्पताल में 24 घंटे दाखिल होने पर सालाना 5 लाख रुपए तक दे नि:शुल्क इलाज की सुविधा दी जाती है। उन्होने बताया कि जिले में 2.91 लाख परिवारों को इस योजना अधीन ई -कार्ड जारी करन के लिए 100 कामन सर्विस सैंटर बनाऐ गए हैं जहाँ कोई भी व्यक्ति ई कार्ड बनवा सकता है। डा.चावला ने आगे बताया कि यह योजना सामाजिक -आर्थिक और जाति जनगणना डाटा में शामिल परिवार, स्मार्ट राशन कार्ड धारक परिवार, छोटे व्यापारी, किसान परिवार, काम विभाग और पंजाब सरकार के पास पंजीकृत उसारी कामगार लाभ उठा सकते हैं।

उन्होने बताया कि जिन व्यक्तियों का नाम लिस्ट में दर्ज है परन्तु ई कार्ड नहीं बना है तो वह व्यक्ति ई -कार्ड बनवाने के लिए अपने साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड, व्यक्तिगत पैन कार्ड (छोटे व्यापारी), पंजीकृत कामगार विभाग की तरफ से जारी कार्ड आदि दस्तावेज लेकर नज़दीक दे कामन सर्विस सैंटर में जाकर 30 रुपए जमां करवाके ई कार्ड बनवा सकते हैं। उन्होने बताया कि आयुषमान- सरबत स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में और ज्यादा जानकारी टोल फ्री हेल्पलाईन नंबर 104 पर भी ली जा सकती है।

जानियां में धुस्सी बांध के बीच वाले फाड़ को पूर्ण के बाद 45 फुट गहरे गड्ढे को पूर्ण के काम की शुरूआत

डिप्टी कमिशनर और संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने की आरंभता

लोहियां (जालन्धर)/ब्यूरो

हाल ही में सतलुज दरिया में आये बाढ़ के कारण शाहकोट तहसील के अंदर गाँव जानियां के पास धुस्सी बांध में पड़े 500 फुट से ज्यादा पाड़ को पूर्ण के बाद अब जिला प्रशासन की तरफ से संत बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल के सहयोग से पानी के तेज़ बहाव के कारण पड़े 45 फुट गहरे गड्ढे को पूर्ण करने के काम की शुरुआत की गई है। आज यहाँ जानियां गाँव में डिप्टी कमिशनर जालंधर श्री वरिन्दर कुमार शर्मा, अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर कुलवंत सिंह और संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने गड्ढे को पूर्ण के कार्या को अरदास करके शुरुआत की गई। इस अवसर पर डिप्टी कमिशनर ने कहा कि धुस्सी बांध में पड़े बड़े फाड़ को पूर्ण के बाद गड्ढे को पूर्ण का काम शुरू किया गया है। ज़िक्रयोग्य है कि पानी के तेज बहाव कारण दरिया में से रेत बड़ी मात्रा में नजदीकी जमीनों में पड़ गई, जिसका प्रयोग अब इस गड्ढे को पूर्ण के लिए की जायेगी।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की तरफ से बड़ी सं2या में ट्रैक्टरों और अन्य भारी मशीनरी की सहायता से और संत बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल के सहयोग से गहरे गड्ढे को जल्द ही दबा दिया जायेगा। उन्होने संत बलबीर सिंह सीचेवाल की तरफ से सेवकों समेत मुश्किल घड़ी में लोगों की सहायता और प्रशासन को दिए सहयोग को बेमिसाल बताते हुए उनका धन्यवाद किया।

वर्णनयोग्य है कि बाढ़ के कारण जानियां गाँव के पास धुस्सी बांध में 500 फुट से भी ज्यादा फाड़ पड़ गया था जोकि भारतीय फौज, मनरेगा वरकरों, ड्रेनज़ विभाग, पंचायतों और आम लोगों की सहाया से पहले ही दबाया जा चुका है।

आज के युवाओं में बढ़ रहा है ऑनलाइन कमाने का क्रेज

आज के इस डिजीटल युग में शायद ही कोई ऐसा होगा जो स्मार्टफोन, लैपटॉप, कंप्यूटर और इंटरनेट से न जुड़ा हो, ऐसे में आज के ज्यादातर युवा इसी माध्यम से कमाई करने का जरिया भी तलाशने लगे हैं। अगर आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर इंटरनेट के जरिए अच्छी कमाई करने का विकल्प तलाश रहे हैं तो ये मुमकिन है, क्योंकि आज के दौर में ऑनलाइन अर्निंग का क्रेज युवाओं में बढ़ता ही जा रहा है। तो चलिए हम आपको बताते हैं ऑनलाइन कमाने के विकल्प - वो बेस्ट ऑप्शन्स जिनके जरिए आप ऑनलाइन अच्छी कमाई कर सकते हैं।

ऑनलाइन कमाने के विकल्प

1. ऑनलाइन ट्यूशन

अगर आपकी किसी सब्जेक्ट पर अच्छी पकड़ है तो आप ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप अपने घर से ही इंटरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे छात्रों को ऑनलाइन ट्यूशन दे सकते हैं। वैसे ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपका सब्जेक्ट पर अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके लिए टीचिंग एप्टीट्यूड और कंप्यूटर नॉलेज होना भी जरूरी होता है, क्योंकि स्टूडेंट आपका ट्रायल भी ले सकते हैं।

2. ऑनलाइन रिसर्च वर्क

ऑनलाइन रिसर्च वर्क भी ऑनलाइन अर्निंग का एक अच्छा जरिए बनता जा रहा है। अगर आप किसी विषय के स्पेशलिस्ट हैं तो फिर इसे अपने ऑफिस तक ही सीमित न रखें, बल्कि उस सब्जेक्ट में आप दूसरों को सलाह देकर भी कमाई कर सकते हैं।

जैसे अगर किसी को विज्ञान से संबंधित कोई ईबुक लिखनी है, लेकिन उसके पास रिसर्च के लिए वक्त नहीं है तो ऐसे में वो रिसर्च का काम किसी ऑनलाइन रिसर्च कंपनी को सौंप देता है, आप इस तरह का काम किसी ऑनलाइन रिसर्च एजेंसी की मदद से शुरू कर सकते हैं।

3. ऑनलाइन राइटिंग जॉब्स

अगर आपको लिखने का काफी शौक है तो फिर आप दूसरों के ब्लॉग्स या साइट्स के लिए ऑनलाइन राइटिंग करके अच्छी कमाई कर सकते हैं। पेड राइटिंग एक तरह से फ्रीलांस जॉब है, जिसमें आपको क्लाइंट की जरूरत के हिसाब से आर्टिकल लिखने होते हैं। यहां आप अपनी सहुलियत के हिसाब से काम कर सकते हैं, लेकिन फ्रीलांस राइटर बनने के लिए भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए और जो आप लिख रहे हैं, उसमें क्वालिटी होना बेहद जरूरी है।

4. ब्लॉग के जरिए अर्निंग

आप अपने ब्लॉग पर एड लगाकर अच्छी अर्निंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको गूगल ऐड सेंस पर रजिस्टर होना होगा। रजिस्टर होने के बाद गूगल आपके ब्लॉग या साइट पर कंटेंट के हिसाब से ऐड लगाना शुरू कर देता है, लेकिन इसके लिए सबसे अहम बात ये है कि आपकी साइट लगातार अपटेड होती रहे क्योंकि साइट पर कंटेंट और विजिटर्स को लेकर गूगल लगातार मॉनिटरिंग करता है।

5. इंटरनेट मार्केटिंग

किसी ऑनलाइन वेबसाइट, पोर्टल या फिर ब्लॉग को तो कोई भी लॉन्च कर सकता है, लेकिन सबसे बडी चुनौती है इसके मार्केटिंग की। ऐसे में ऑनलाइन मार्केटिंग या इंटरनेट मार्केटिंग की भूमिका सामने आती है। अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी है और इंग्लिश पर अच्छी पकड़ होने के साथ ही आपको वेब टेक्नोलॉजी की अच्छी जानकारी है तो आप घर बैठे ही सेल्समैन बन सकते हैं और इंटरनेट पर मार्केटिंग करके आप अच्छी अर्निंग कर सकते हैं।

ये है ऑनलाइन कमाने के विकल्प - बहरहाल अगर आपके भीतर भी ऑनलाइन अर्निंग का क्रेज है तो फिर इन ऑनलाइन कमाने के विकल्प के जरिए आप घर बैठे अपने कंप्यूटर और इंटरनेट के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं।

केवल 250 रुपए खर्च कर पानी बचाने में मदद कर रहा है इस शख्स का रेनवॉटर हार्वेस्टिंग यंत्र

थिंक टैंक नीति आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 तक देश के 21 शहर जिनमें दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरू और हैदराबाद शामिल हैं, वो जमीन के भीतर के पानी से महरूम हो जाएंगे और इस समस्या का सबसे बड़ा कारण होगा, तेजी से बढ़ता शहरीकरण, जिसने भूजल और झीलों को खत्म कर दिया। चेन्नई पहले से ही गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। शहर में पानी खत्म हो चुका है। जलाशय सूख गए हैं - परिणामस्वरूप ऑफिस और स्कूल बंद हो रहे हैं। इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तियों और समुदायों ने समान रूप से छोटे-छोटे उपाय करने शुरू कर दिए हैं। उदाहरण के लिए, चेन्नई के चितलापक्कम के 45 वर्षीय दयानंद कृष्णन से मिलिए, जिन्होंने 250 रुपए में एक साधारण वर्षा जल संचयन तंत्र यानी रेनवॉटर हार्वेस्टिंग यंत्र बनाया है।

सूत्रों के मुताबिक, दयानंद ने महज 250 रुपए खर्च कर ऐसी व्यवस्था की, जिससे 10 मिनट में 225 लीटर पानी संग्रहण कर सकते हैं। दयानंद ने पीवीसी पाइप की मदद से एक डायवर्जन बनाया है। उन्होने बिल्डिंग की छत से बारिश के पानी की निकासी के लिए लगे पाइप में इस पीवीसी पाइप को जोड़ दिया है, जिसकी निकासी सीधे जाकर एक ड्रम में होती है। सूत्रों के मुताबिक दयानंद ने बताया कि ऐसा करके उन्होंने 10 मिनट में 225 लीटर बचाया है।

मन में विचार आने के बाद शुरू की कोशिश

दयानंद ने बताया कि मैंने सोचा कि बारिश का पानी बर्बाद क्यों होने दें। जब बारिश होती है, तो शुरुआत के कुछ मिनटों तक पानी गंदा होता है। ऐसा इसलिए कि उसके साथ छत पर जमा कचरा भी बहकर आ जाता है, लेकिन उसके बाद आने वाला पानी साफ रहता है। आप इस पानी से घर में पोछा भी लगा सकते हैं। पाइप के अंत में जुड़ा कपड़ा फिल्टर यह सुनिश्चित करता है कि जो पानी निकल रहा है वह साफ और अशुद्धियों से मुक्त हो।

एक घंटे में इकट्ठा किया 30,000 लीटर पानी

दयानंद के अलावा, चेन्नई में एक समुदाय ने एक घंटे के अंतराल में 30,000 लीटर पानी इकट्ठा किया। सबरी टेरेस अपार्टमेंट में रहने वाला ये समुदाय, वर्ष में तीन महीने बारिश के पानी का उपयोग करता है। बारिश के पानी को इकट्ठा करके अब संग्रहित किया जाता है, इसके बाद यह ट्रीटमेंट से गुजरता है और फिर भूमिगत टैंकों में संग्रहित किया जाता है। बाद में, बचा हुआ पानी जमीन में छोड़ दिया जाता है।

निरक्षर दंपती से प्रशिक्षण लेकर युवा कर रहे हैं अपना रोजगार

जगदलपुर। देश-दुनिया में नक्सल घटनाओं को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाले छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके के और भी कई चेहरे हैं। आदिवासी बहुल इस इलाके में शिक्षा की दर भले ही कम हो, लेकिन भोले-भाले ग्रामीणों में हुनर की कमी नहीं है। उनकी सोच भी सामाजिक है। आज जब शहरों में तकनीकी शिक्षा पाने के लिए युवाओं को हजारों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं, ग्राम भुरसुंडी का एक निरक्षर आदिवासी दंपती युवाओं को मुफ्त में मोटर मैकेनिक बना रहा है। इनके सिखाए पचास से ज्यादा युवा आज स्वरोजगार कर अपने पैरों पर खड़े हैं। इतना ही नहीं, आज जहां उच्च शिक्षित परिवारों में बेटियों को लेकर रुढ़ीवादी सोच से जुड़ी खबरें आती रहती हैं, वहीं यह दंपती बड़ी बेटी को पॉलिटेक्निक करा रहा है। तीन बेटियों वाला यह दंपती इन्हें देवियां मानता है। आसपास के गांव वाले इनके घर को मुफ्त वाला आईटीआई कहते हैं।

जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर बस्तर ब्लॉक के ग्राम भुरसुंडी निवासी 45 वर्षीय सोनूराम बघेल और उनकी पत्नी रूंजीबाई के हुनर की सभी दाद देते हैं। उनका हुनर ही है कि पूरे बस्तर ब्लॉक के लोग मोटर पंप सुधरवाने के लिए उनके पास आते हैं। ग्रामीणों की स्थिति देखकर मेहनताना लेते हैं।

घर से निकले थे मजदूरी करने शहर से मैकेनिक बनकर लौटे

सोनूराम बताते हैं कि वह बहुत ही गरीब परिवार से हैं। 16 साल की उम्र में मजदूरी करने के लिए धमतरी आ गए। विचार आया कि जब शहर आया ही हूं तो क्यूं न कोई हुनर सीख लूं। एक मोटर रिपेयरिंग की दुकान में काम करने लगे। जल्द ही सब कुछ सीख लिया। इसके बाद गांव लौट आए। अपना काम शुरू किया। पिता बोकलूराम को लगा कि अब बेटे का ब्याह कर देना चाहिए। परिवार संभाल लेगा। इस तरह रूंजीबाई से शादी हो गई। कुछ दिन सामान्य बीता फिर रूंजीबाई काम में सहयोग करने लगीं। आज मशीनों पर दोनों की अंगुलियां किसी मैकेनिकल इंजीनियर से कम नहीं दौड़तीं।

इस तरह आया सिखाने का विचार

सोनूराम कहते हैं कि गांव के पढ़े-लिखे युवक- युवतियों को बेरोजगार देखकर बहुत तकलीफ होती थी। सोचा कि क्यूं न अपना हुनर इन्हें भी सिखाया जाए। एक शुरुआत हुई और आज भुरसुंडी समेत आसपास के गांवों के सैकड़ों युवा उन्हें गुरु के रूप में पूजते हैं। सम्मान करते हैं। सोनूराम कहते हैं कि जब भी खबर मिलती है कि उनके सिखाए लड़के ने अपनी दुकान शुरू की है, यूं लगता है, जिंदगी में कुछ तो किया।

बेटियां नहीं, बेटे हैं ये

सोनूराम ने बताया कि उनकी तीन बेटियां हैं, जिन्हें वे बेटा ही मानते हैं। खुशबू सबसे बड़ी है। खुद पढ़ नहीं पाए, लेकिन बेटियों को पढ़ा रहे हैं। खुशबू धरमपुरा महिला पॉलिटेक्निक में पढ़ती है। दूसरी बेटी दसवीं और तीसरी पांचवीं में है। यह पूछने पर कि क्या कभी यह नहीं लगता कि एक बेटा भी होता। आसमान की ओर देखते हुए सोनूराम कहते हैं कि जो बच्चे उनके पास सीखकर अपने पैरों पर खड़े हो रहे हैं, वे उनके बेटे ही तो हैं। गुरु का स्थान पिता से छोटा थोड़ी होता है।

आसमान छूती महंगाई के बीच चोरी हो रहा प्याज

पटना से 328 बोरियां, नासिक से 35 क्विंटल प्याज चोरी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

देश में प्याज के दाम आसमान छू रहे हैं। पिछले एक महीने में दाम काफी बढ़ गए हैं और लोगों के घरों का बजट बिगड़ रहा है। हालत ये है कि लोगों ने प्याज का इस्तेमाल काफी कम कर दिया है। जानकार बता रहे हैं कि आने वाले वक्त में प्याज के दाम और बढ़ सकते हैं हालांकि सरकारों और प्रशासन ने इस तरफ ध्यान दिया है और कुछ कदम उठाए हैं।

प्याज के बढ़ते हुए दामों के बीच दो जगहों से प्याज की चोरी की खबरें भी सामने आई हैं। नासिक के एक गोदाम से जहां 35 क्विंटल प्याज चोरी हुआ है वहां पटना के पास भी करीब 8 लाख के प्याज को चोरी कर लिया गया है।

पटना से करीब 35 किलोमीटर दूर फतुहा में चोरों ने प्याज़ की 328 बोरियां चुरा लीं। चोरों ने प्याज गोदाम का ताला तोड़ कर करीब आठ लाख रुपये का प्याज़ उड़ा लिया। चोर, गोदाम में रखे 328 बोरी प्याज और अलमारी में बंद 1 लाख 73 हजार कैश की चोरी कर आराम से निकल गए।

सुबह जब प्याज़ का थोक विक्रेता गोदाम पर पहुंचा तो ताला टूटे मिले। प्याज की बोरियां और कैश गायब थे।

गोदाम मालिक ने चोरी की घटना को देखकर पुलिस को खबर दी और एफआईआर लिखवाई। सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुँची और जांच में जुट गई।

जयपुर का भी हाल बेहाल

दामों में भारी उछाल की वजह से प्याज एक बार फिर आम जनता के आंसू निकालने लगा है. देश भर में भारी बारिश के वजह से प्याज की फसल को हुए नुकसान के कारण मंडियों में प्याज की आवक कम हो गई जिसकी वजह से प्याज के भाव बढ़ते जा रहे हैं। जयपुर में कुछ दिन पहले तक तीस से पैंतीस रुपए प्रति किलो की दर से बिक रहा प्याज अब साठ रुपए को पार कर गया है। एक तरफ जहां जयपुर की सब्जी मंडियों में खरीद के लिए आ रहे लोग भी प्याज के दामों में आये उछाल से परेशान हैं वहीं दूसरी तरफ विक्रेता मानते हैं कि ग्राहकी कम हो गई है और अभी दाम में राहत के आसार नहीं है।

प्रयागराज में भी प्याज ने रुलाया

संगम नगरी प्रयागराज के लोगों को इन दिनों खून के आंसू रुला रही हैं प्याज की आसमान छूती कीमतें. यहाँ प्याज के दाम सत्तर रूपये किलो तक पहुँच गए हैं। प्रयागराज में पिछले एक महीने में प्याज की कीमतें तीन गुने से ज्यादा बढ़ गई हैं।

प्याज की बढी हुई कीमतों ने लोगों के घर का बजट बिगाड़कर रख दिया है। बढ़ी हुई कीमतें बिना कटे ही लोगों के आंसू निकाल रही हैं। कीमतों में बढ़ोत्तरी होने की वजह से यहां के लोगों ने प्याज का इस्तेमाल काफी कम कर दिया है। जिन घरों में पहले हफ्ते भर में एक किलो से ज्यादा प्याज इस्तेमाल की जाती थी वहाँ अब महज़ एक पाव से ही काम चलाना पड़ रहा है।

पाकिस्तान बना भूकंप का केंद्र, पीओके में भारी नुकसान की खबरें

■ इस्लामाबाद/ब्यूरो

जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जम्मू के साथ ही कश्मीर के राजौरी और पुंछ में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान के इस्लामाबाद में झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई है, साथ ही भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के शहर रावलपिंडी से 70 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। चंडीगढ़ समेत दिल्ली एनसीआर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। पाक अधिकृत कश्मीर में भूकंप से भारी नुकसान की खबरें सामने आई हैं. पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक पीओके के मीरपुर में भूकंप से सड़कों में बड़ी बड़ी दरार की खबरें हैं. मीरपुर में भूकंप से चार लोगों की मौत और 50 लोगों के घायल होने की खबर है। पीओके प्रशासन के मुताबिक जल्द ही स्थिति पर काबू पा लिया जाएगा।

मीरपुर में चार की मौत, 76 घायल- जियो टीवी

पीएमसी बैंक पर आरबीआई की बड़ी कार्रवाई, 6 महीने तक ग्राहक रोजाना 1000 रुपए ही निकाल पाएंगे

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

रिजर्व बैंक ने आज एक बड़ा फैसला लिया है। मुंबई के पंजाब एंड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव बैंक पर आरबीआई ने छह महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। अगले 6 महीने तक खाताधारक हर रोज अपने अकाउंट से सिर्फ एक हजार रुपए ही निकाल सकेंगे। आरबीआई ने इसके साथ ही बैंक पर ग्राहकों को किसी भी तरह का लोन देने से भी रोक दिया है। आरबीआई बैंक पर ये कार्रवाई अनियमितता बरतने के आरोप में की है। हालांकि आरबीआई ने यह भी साफ किया है कि इस प्रतिबंध का यह मतलब नहीं है कि बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। प्रतिबंध लागू होने के बाद अब पीएमसी बैंक की लेनदेन पर कड़ी नजर रखेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजाब एंड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव बैंक में ग्राहकों का 11500 करोड़ रुपया जमा है, बैंक की ब्रांच पंजाब, महाराष्ट्र, दिल्ली और गोवा में भी हैं। पंजाब एंड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव बैंक 137 शाखाएं हैं और यह देश के टॉप-10 को-ऑपरेटिव बैंकों में से एक है।

प्रतिबंध के बाद पीएससी बैंक की देशभर में फैली अलग अलग ब्रांच से हंगामे की खबरें भी सामने आई हैं। दिल्ली के उत्तम नगर में ग्राहकों ने पंजाब एंड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव बैंक की ब्रांच पर जमकर हंगामा किया।

खाता धारकों का कहना है कि उन्हें यह नहीं बताया जा रहा है कि किस वजह से बैन लगाया गया है।

ईपीएफ सदस्यों को खुशखबरी

ब्याज दर में हुई बढ़ोत्तरी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

एंप्लाई प्रोविडेंट फंड यानी ईपीएफ सदस्यों के लिए खुशखबरी आई है। साल 2018-19 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर में बढोत्तरी कर दी गई है।

अब ईपीएफ पर 8.65 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा जबकि 2017-18 में ब्याज दर 8.55 फीसदी थी। इसका फायदा छह करोड़ से ज्यादा ईपीएफओ के सब्सक्राइबर्स को मिलेगा। केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने 17 सितंबर को ही बता दिया था कि छह करोड़ से ज्यादा ईपीएफओ सदस्यों को वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 8.65 फीसदी ब्याज दिया जाएगा।

इससे पहले, इंप्लाई प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) के लिए फैसला लेने वाले शीर्ष निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को बढ़ाकर 8.65 फीसदी करने का निर्णय किया था।

सुप्रीमकोर्ट ने सोशल मीडिया का दुरुपयोग रोकने की व्यवस्था बनाने को कहा, सरकार से 3 हफ्ते में मांगा जवाब

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है. कोर्ट ने इसकी रोकथाम के लिए व्यवस्था बनाए जाने को जरूरी बताया है. आज कोर्ट ने केंद्र सरकार से 3 हफ्ते में मसले पर जवाब दाखिल करने को कहा है। सरकार को बताना है कि उसने इस मसले पर नियम बनाने को लेकर अब तक क्या किया है. हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा है कि नियम बनाते समय लोगों की निजता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

कोर्ट ने यह आदेश फेसबुक और व्हाट्सऐप की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। दोनों कंपनियों ने अपने यूज़र प्रोफाइल को आधार से जोड़ने पर अलग-अलग हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर करवाने के लिए याचिका दाखिल की है। उनकी तरफ से पेश वरिष्ठ वकीलों मुकुल रोहतगी और कपिल सिब्बल की दलील थी कि सोशल मीडिया को आधार से लिंक करना निजता के अधिकार का हनन होगा। खुद सुप्रीम कोर्ट आधार का इस्तेमाल सिर्फ आवश्यक सरकारी सेवाओं में करने का फैसला दे चुका है। इसका विरोध करते हुए रही सुनवाई अंतिम दौर में है। उसे नहीं रोका जाना चाहिए। जस्टिस दीपक गुप्ता और अनिरुद्ध बोस की बेंच ने कहा, यह मामला ऐसा नहीं है कि इस पर सुप्रीम कोर्ट या हाई

तमिलनाडु सरकार के लिए पेश एटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा, सोशल मीडिया कंपनियां सिर्फ अपने व्यापार को लेकर चिंतित हैं. सोशल मीडिया के जरिए मानहानि से लेकर तमाम गंभीर अपराध होते हैं। इन्हें जवाबदेह बनाना होगा. मामले पर मद्रास हाई कोर्ट में चल कोर्ट सुनवाई करे।

इस बारे में सरकार को कदम उठाने होंगे। आखिर सोशल मीडिया पर किसी को इस बात की इजाजत क्यों हो कि वह दूसरे के बारे में झूठ फैलाए? उसके सम्मान को चोट पहुंचाए। सरकार अपने बारे में कुछ कहे जाने पर कार्रवाई कर लेती है, लेकिन आम आदमी क्या करे? बेंच ने आगे कहा, मूल मैसेज बनाने वाले तक पहुंचने की तकनीक न होने का बहाना नहीं बनाया जा सकता। तकनीक जरूर होगी, आखिर गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे जैसे मसलों को आप कैसे देख पाएंगे? व्हाट्सऐप पर अगर मैसेज इनक्रिप्ट करने की टेक्नोलॉजी है तो डिक्रिप्ट करने की भी होगी। सरकार दुरुपयोग रोकने की व्यवस्था बनाए, लेकिन लोगों की निजता का भी ख्याल रखा जाए।

बेंच की अध्यक्षता कर रहे जस्टिस दीपक गुप्ता ने एक दिलचस्प वाकया बताया। उन्होंने कहा कि एक बार इंटरनेट पर कुछ ढूंढते हुए उन्हें एक 47 बेचने वाले की जानकारी मिली। थोड़ी सी कोशिश के बाद बेचने वाले तक पहुंचना संभव लगने लगा। जज ने टिप्पणी की, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर तमाम ऐसी चीजें हो रही हैं जो गैरकानूनी हैं। सरकार अपनी जिम्मेदारी से नज़र नहीं फेर सकती।

अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीरी पंडितों का दिल और विश्वास जीता

■ ह्यूस्टन/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में कश्मीरी पंडित समुदाय के शिष्टमंडल से यहां मुलाकात के दौरान जब उन्होंने उनके प्रति सहानुभूति जतायी और कहा कि ''आपने बहुत झेला है'' तो उन्होंने इस समुदाय का दिल और भरोसा दोनों जीत लिया। कई कश्मीरी पंडित ह्यूस्टन समेत अमेरिका के विभिन्न शहरों में बस गए हैं। रविवार को यहां आयोजित होने वाले 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम के लिए वे लोग यहां आये थे, इस कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम के इतर कश्मीरी पंडित समुदाय से मुलाकात की। अमेरिका स्थित गैर लाभकारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन कश्मीरी ओवरसीज एसोसिएशन के अध्यक्ष शकुन मलिक ने बताया, ''देश की आजादी के 70 साल में अथवा बड़े पैमाने पर (कश्मीरी पंडितों के) पलायन के लिए मजबूर किये जाने के 30 साल बाद यह पहला मौका है जब भारत के किसी प्रधानमंत्री ने अपनी ही जमीन पर शरणार्थी बन कर रहे गए कश्मीरी पंडित समुदाय की समस्याओं और मुद्दों के समाधान की इच्छा जाहिर की है और इस पर चिंता जतायी है।'' उन्होंने कहा, ''केओए के पास कश्मीरी पंडित विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने तथा जरूरतमंद और योग्य कश्मीरी पंडितों, शैक्षणिक संस्थानों और पूजा स्थलों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का एक मिशन है।'' मलिक ने कहा कि केओए और अन्य समान विचारधारा वाले समूहों के प्रयासों को जानकारी के अभाव वाले कुछ प्रेसकर्मियों और अन्य संस्थाओं की तरफ से विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''अफवाह फैलाने वाले और गलत जानकारी वाले कुछ प्रेसकर्मी की तरफ से अनुच्छेद 370 के बारे में बड़े पैमाने पर गलत सूचना दी जा रही है और भ्रम तथा भय फैलाया जा रहा है। इसलिए हमारा हालिया रुख कश्मीर के बारे में लोगों को शिक्षित करने और तथ्यों को सामने लाने का है।''

कश्मीरी पंडितों की योजना 16 अक्टूबर को अमेरिकी कांग्रेस को जानकारी देने कीतथा 19 अक्टूबर को कश्मीर पर केओए की एक संगोष्ठी आयोजित करने की है। मलिक ने बताया कि कश्मीरी पंडितों के शिष्टमंडल में सात महिलायें और आठ पुरूष शामिल थे। ये सभी लोग कमश्मीरी पंडितों के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों से थे।

मगरूर

ए जिंदगी तेरा सामना करते-करते,
अब दिल से मौत का डर भी दूर हो गया।
कूछ अरमानो के सपने सजाए थे मैने
पल पल में हर एक चकनाचूर हो गया।
अब जीने की आरजू खत्म हो रही है,
लगता है जीवन एक कसूर हो गया।
बहुत से रंग थे और थी बहुत सी उम्मीदें,
आज सब कुछ ही मेरा बेनूर हो गया।
जिंदगी का बोझ उठाया हुआ मुश्किल
सहारा किसी का लेने को मैं मजबूर हो गया।
ए दिल मत सोच कि आयु बहुत लंबी,
लम्हा-लम्हा मैं अपने जीवन से दूर हो गया।
फकीरों ने की ए जिंदगी तुझ पे नौशावर
मंजर ऐसा आया कि तू भी मगरूर हो गया

-विनोद फकीरा स्टेट अवार्डी
आरीया नगर, करतारपुर, जालंधर ,
मो. 098721-97326
vinodfaqira8@gmail.com

नेहरू और इंदिरा की लोकप्रियता दिखाने के चक्कर में बड़ी गलती कर बैठे शशि थरूर, फिर दी सफाई

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

'हाउडी मोदी' कार्यक्रम पर कटाक्ष करने के चक्कर में कांग्रेस नेता शशि थरूर को खुद ट्विटर पर उस समय परेशानी का सामना करना पड़ा, जब उन्होंने जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की एक फोटो पोस्ट की और दावा किया कि ये फोटो अमेरिका की है। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया कि शायद ये फोटो सोवियत रूस की है। थरूर ने भारत के पहले प्रधानमंत्री और उनकी बेटी की एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह एक खुली कार में बैठे हैं और उनके चारो तरफ भारी भीड़ जमा है। इस पोस्ट पर थरूर को इसलिए भी ट्रोल किया गया क्योंकि उन्होंने इंदिरा गांधी की जगह इंडिया गांधी लिख दिया था।

थरूर ने ह्यूस्टन में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रवासी कार्यक्रम पर कटाक्ष करते हुए इस फोटो को पोस्ट करने के साथ लिखा, अमेरिका में 1954 में नेहरू और इंडिया गांधी। अमेरिकी लोगों की अपने आप उमड़ी अत्यधिक उत्साही भीड़ देखिए, बिना किसी विशेष जनसंपर्क अभियान, एनआरआई भीड़ प्रबंधन या मीडिया प्रचार के। इस पोस्ट में थरूर से चूक हो गई। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस ओर उनका ध्यान दिलाया।

वास्तव में ये फोटो नेहरू और इंदिरा गांधी की सोवियत रूस यात्रा की थी। कांग्रेस इसके थोड़ी देर बाद थरूर ने स्पष्टीकरण दिया, मुझे बताया गया कि ये तस्वीर (मुझे भेजी गई) शायद सोवियत रूस यात्रा की है, अमेरिका की नहीं। अगर ऐसा है तो भी, इससे संदेश पर कोई फर्क नहीं पड़ता, सच्चाई ये है कि पूर्व प्रधानमंत्रियों ने भी विदेश में लोकप्रियता का आनंद लिया है। जब नरेंद्र मोदी का सम्मान हुआ, तो ये भारत के प्रधानमंत्री का सम्मान था।

डिप्टी कमिशनर, पुलिस कमिशनर और नगर-निगम कमिशनर ने सुरक्षा प्रबंधों के बारे में दशहरा समितियों को जानकार करवाया

■ जालंधर/ब्यूरो

डिप्टी कमिशनर जालंधर श्री वरिन्दर कुमार शर्मा, पुलिस कमिशनर श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर और कमिशनर नगर निगम श्री दीपरवा लाकड़ा ने पिछले वर्ष दशहरा वाले दिन अमृतसर में घटी दुखांत घटना को दे2ाते हुए दशहरा के अवसर पर जालंधर जिले में किसी भी असुखद घटना को रोकने के उदेश्य से दशहरा समितियों के साथ मीटिंग करके उनको जान माल की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकार करवाया गया है। मीटिंग के दौरान डिप्टी कमिशनर, पुलिस कमिशनर और कमिशनर नगर निगम ने कहा कि दशहरे के त्यौहार वाले दिन लोगों की सुरक्षा को पहल के आधार पर विश्वसनीय बनाया जाये। उन्होने कहा कि राज्य सरकार ने अमृतसर में घटी घटनां के उपरांत जरूरी दिशा निर्देश जारी किये गए हैं जिससे भविष्य में कोई ऐसी असुखद घटना ना घटे। इस अवसर पर आधिकारियों ने दशहरा समितियों को पूरा सहयोग और सहायता देने का विश्वास दिया गया जिससे दशहरा के त्यौहार को पूरे उत्साह और जोश से मनाया जा सके। डिप्टी कमिशनर,पुलिस कमिशनर और नगर निगम के कमिशनर ने दशहरा समितियों को कहा कि दशहरा त्यौहार को मनाने से संबन्धित परवानगी लेने के लिए प्रार्थानापत्र सेवा केन्द्रों में दिए जाएं। इन प्रार्थानापत्र में समागम के दौरान शामिल होने वाले लोगों की संभावी गिनती, लाउड स्पीकरों की संख्या, कुर्सियों और अन्य सुविधाओं के बारे में पूर्ण जानकारी समेत आगामी विवरण देना लाज़िमी किये गए हैं। इस के अतिरिक्त दशहरा समागम वाले स्थान पर लोगों के बैठने, वाहनों की पार्किंग, समागम वाले स्थान पर दाखिला और बाहर

जाने से संबन्धित विस्तार योजनाबंधी रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए गए हैं। डिप्टी कमिशनर, पुलिस कमिशनर और कमिशनर नगर निगम ने यह भी कहा कि दशहरा समागम के लिए मंजूर किये गए स्थान पर समुचय वीडीओग्राफी और लाउड स्पीकरों के प्रयोग को विश्वसनीय बनाया जाये। उन्होंने कहा कि दशहरा समितियों को यह विश्वसनीय बनाना चाहिए कि समागम वाले स्थान पर किसी भी प्रकार का प्रदूषण पैदा ना हो और वृक्षों की कटाई ना की जाये। आधिकारियों ने दशहरा समितियों को कहा कि राष्ट्रीय राज मार्ग या रेलवे लाईनों के नजदीक दशहरा समागम करवाने के लिए राष्ट्रीय हाईवे अथारटी या रेलवे से एतराजहीणता सर्टिफिकेट प्राप्त किया जाये। इस अवसर पर पुलिस कमिशनर नरेश डोगरा और आर.पी.एस.पवार, अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर पुलिस डी.सुधरविजी और परमिन्दर सिंह भंडाल, सहायक कमिशनर नगर निगम शायरी मल्होत्रा और अन्य भी उपस्थित थे।